दो भाई

शब्दार्थ :-

शीघ्र - जल्दी

समाधान - निवारण

परलोक - स्वर्ग

गदगद - गर्व से हर्षित होना

अश्रुधारा - आँसू

जेठानी - बड़े भाई की पत्नी

समस्याएँ - परेशानी

क) अखिलेश चौधरी की मृत्यु के बाद जानकी के सामने तीन समस्याएँ आ खड़ी हुई -

पहली समस्या खेती बाड़ी को सँभालने की थी |

दूसरी समस्या सुधकर की पढ़ाई की थी |

तीसरी समस्या दिवाकर के विवाह की थी |

ख) दिवाकर ने माँ की समस्याओं को सुन उनके चरणों के पास बैठ गया और बोला -"माँ , मेरे रहते हुए तुम चिंता क्यों कर रही हो ? खेती -बाड़ी का काम तो मैंने संभाल ही रखा है | सुधाकर और देवकी की पढ़ाई का जो खर्चा आएगा , वह भी मैं पूरा करूँगा | तुम निश्चित रहा |

ग) दिवाकर एक आज्ञाकारी पुत्र था | दिवाकर ने पाँचवी कक्षा तक पढ़ाई की थी | अपने पिताजी के साथ मिलकर दिवाकर ने साड़ी खेती बाड़ी संभाल रखी थी | दिवाकर एक अच्छा भाई था व एक अच्छा पुत्र भी था |

घ) दिवाकर की पत्नी ने सुधाकर और उसकी पत्नी के साथ बहुत ही अच्छा व्यवहार किया | भाई दिवाकर और भाभी ललिता भी सुधाकर का हित चाहते

थे | वे खेती की उपज में से तथा गाय - भैंस के दूध -घी से कुछ न कुछ उनके लिए भेजते रहते थे |

ड) सुधाकर की पत्नी अपने जेठ - जेठानी से अलग इसलिए रहना चाहती थी क्यूँकि उनके पड़ोस की महिला रमती ने उषा के मन में शक़ का बीज बो दिया था | उषा ने सुधाकर से कहा की मुझे इस घर में रहना पसंद नहीं आ रहा है | यह भी कोई जगह है| पशुओं के गोबर की बदबू सूंघते रहो | न दिल बहलाने के लिए सिनेमाघर है और न कोई साधन ! मुझे तो यहाँ रहना बिलकुल भी पसंद नहीं है | चलो, कहीं और जाकर रहें |

सुधाकर ने उत्तर दिया - " जिस भाई ने पढ़ा - लिखाकर मुझे इतना योग्य बनाया है , भला मैं उसे कैसे छोड़ सकता हूँ |

च) रमती दिवाकर के पड़ोस में रहने वाली एक महिला थी | रमती ने घर में आयी नयी बहू को भड़का कर परिवार में फूट डाली थी | उसने उषा से कहा की तुम्हारे पति वकालत से जितना कमाते है ; सब यहीं खप जाता है | वह कभी ग्रामीण रीति - रिवाजों को बुरा बताती तो कभी शहरी रहन - सहन की प्रशंसा करती | उसने उलटी - सीधी बातों से उषा के मन में फूट के बीज बो दिया था |

छ उषा को एक कार ने आकर टक्कर मारी थी जिससे वह दुर्घटनाग्रस्त हो गयी व उसको बहुत चोटें भी आई थी |

ज) उषा की सेवा सुधाकर की माँ व जेठानी ने दिन -रात की थी | उसका यह प्रभाव पड़ा की उषा को एक सप्ताह बाद ही अस्पताल से छुटटी मिल गयी और वह वापस अपने परिवार के साथ गाँव वापस चली गयी |

झ) इस कहानी से हमे यह शिक्षा मिलती है की हमें संयुक्त परिवार में रहना चाहिए जिससे की वक़्त आने पर एक दूसरे के काम आ सकें | हमे अपने परिवार के सदस्यों पे भरोसा करना चाहिए न की रमती जैसी पड़ोसनों पर | हमें अपने परिवार का साथ देने के लिए वक़्त आने पर छोटे छोटे त्याग भी करने चाहिए |